September, 1992 have been repeatedly cancelled;

(c) if so, the reasons therefor; and

(d) by when all selection formalities will be completed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D. K. THARADEVI SIDDHARTHA): (a) to (d) It has been reported by the AIIMS that the interviews for the Employment Exchange nominated candidates for the post of Junior Engineer (Civil) fixed for 11th September, 1992 were cancelled as it was declared a Holiday on account of Milad-un-Nabi. The Meeting of the Selection Committee has since been held on 23rd November, 1992.

Shortage of Blood in All India Institute of Medical Sciences

269. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that tht Blood Bank of All India Institute of Medical Sciences is facing severe shortage of blood;

(b) if so, what arc the reasons therefor; and

(c) what steps are being taken to meet the shortage of blood?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI P. K THARADEVI SIDDHARTHA): (a) It has been reported by the All India Institute of Medical Sciences that there is no shortage of blood in so far as AIIMS Hospital is concerned.

(b) and (c) Do not arise.

मुदलियार समिति के प्रतिवेदन के अनुसार डाक्टरों की आवश्यकता

270. श्री विश्वासराव रामराव पाटिल: क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मुदलियार समिति के प्रतिवेदन के अनुसार 3500 की आबादी के लिए एक डाक्टर की आवश्यकता है;

(ख) यदि हां, तो देश में इस समय कितने डाक्टर पंजीकृत हैं;

(ग) क्या वर्तमान आबादी के लिए डाक्टरों की संख्या पर्याप्त है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार भविष्य में मेडिकल कालेजों की स्वीकृति देना बन्द कर देगी; और

(ङ) यदि उपर्युक्त भाग (ग) का उत्तर "ना" हो, तो सरकार डाक्टरों की संख्या में वृद्धि करने के लिए क्या कदम उठाने जा रही है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ): (क) जी, हां।

(ख) भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा दी गई सूचना के अनुसार देश में 15 नवम्बर, 1992 की स्थिति के अनुसार पंजीकृत एलोपैथिक चिकित्सा व्यवसायियों की कुल संख्या 4,18,456 थी।

(ग) जी, हां। भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होमियोपैथी के 5 लाख व्यवसायियों की अनुमानित संख्या को ध्यान में रखते हुए इनकी संख्या पर्याप्त है।

(घ) और (ङ) सरकार का विचार है कि भारतीय चिकित्सा परिषद के मानदंडों के अनुसार जब कभी भी सभी अपेक्षित निर्धारित आधारभूत ढांचे संबंधी सुविधाओं सहित और मेडिकल कालेजों की स्थापना की जाएगी एलोपैथिक डाक्टरों की आपूर्ति बढ़ सकती है और ग्रामीण क्षेत्रों में डाक्टरों की मौजूदा कमी काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।